

ASNA ARCHIVES

1.683

1.683

ASNA ARCHIVES

Handwritten text in a script, possibly Indic, located at the bottom right of the cover.

शक्रादय



समलिकाश्रयः ॥ वावांदाग्रसहनसा स्त्रय्यायाय वाइयातन
रावावांलियाग्रसहनसा स्त्रय्यायातन वाइयायाय ॥ समलिकाश्रयः ॥
असमलिकास्त्रय्याया नागिगुण ३० श्रीसनर्तन पूनगुण ६० घटिनर्त
न विकलालिङानग ॥ अस्रय्यदूठधाय ॥ ॥ अस्रय्यदूठसगुण २५
धुमीघटिसराग ३० नद्यघटिविघटिनगदाडा द्विद्युनविश्रया ॥

गमयाय ॥ समलिकावाइ द्वादशनागिससाधनपा ६० घटिन
याय नागिगुण ३० श्रीसनर्तन पूनगुण ६० घटिनर्तन विकलालि
ङानग ॥ अस्रय्यदूठधाय ॥ ॥ अस्रय्यदूठसगुण २५
धुमीघटिसराग ३० नद्यघटिविघटिनगदाडा द्विद्युनविश्रया ॥
यूगद्विद्युन विश्रया ॥ ॥ गमयूगद्विद्युन विश्रयाग २१६०० न
द्यसक्रिदगदाडा उरुन दक्षिणधर्क द्विद्याडा दिगग रागकाः

या राघव राग म हा न स का था या आ ३ ३ ३ ३ का थं न रं या य का
थ म रा ग १० व द्य द्य टि वि द्य टि न थं थ म या या आ ३ ३ ३ ३ ॥ ॥

✓ चंद प्रमान आ य ॥ चंद उ कि य थ न २४ था या आ ३ ३ ३ ३ चंद प्रमान आ य
॥ ॥ चंद प्रमान सु तु १० रा ग ४ ल द्य द्य टि वि द्य टि न म थ न म
या ॥ ॥ त म प्रमान आ ३ ३ ३ ३ चंद प्रमान आ ३ ३ ३ ३ नार्य मू हा आ ३ ३ ३ ३ श्रु द्य या हा

आ था म थ था य ॥ ॥ था म थ स थ न या य द त सा म स द् था य
म द त सा म स म द् ॥ था या रा ग म म स प्रमान आ य ॥ चंद प्रमान म स
प्रमान म था य द त सा सर्व म स म द सा ख लु म स था या रा ग वि म द्
म स प्रमान आ य ॥ ॥ म स प्रमान न रं ग का थ म रा ग १६ व द्य न स
व म स र न सा थं थ म रं ग ख लु म स र न सा था य रु ट म स प्रमान

धाय॥ ॥ दूटयसप्रमानसमुदा॥ ६॥ धिचंद^पमाननरात्रयसौगु
 न॥ ६॥ यमसमुदाहरणमउर्न॥ नयप्रडा॥ धमयासं^{उल}ना॥ ॥ दूटयस
 प्रमाननर्गं न॥ थंथूसउल६० विकलानर्गं न॥ पूलसुल६॥ काथयाद्यटिस
 र्गं न॥ ४०० धिप्रद्वि६०० सुल॥ विकलानर्गं न॥ काथूनथंथूसरागका
 यानय॥ द्यटिविद्यटिस्त्रिपु^३र्द^३ना॥ ॥ विमर्दस्त्रिपु^३र्द^३सर्वयसस

यूनसुल६॥ काथयाद्यटिसर्गं न॥ ३००॥ थमस्त्रिपुलविकलानर्गं न॥
 सर्वयससुनसाकुमाल॥ विमर्दयसप्रमाननर्गं न॥ थंथूससुल६०० सु
 ल॥ विकलानर्गं न॥ काथूनथंथूसरागकाय॥ नयद्यटिविद्यटिविमर्द
 स्त्रिपु^३र्द^३धाय॥ ॥ बलायाप॥ प्रथुमीद्यटिविद्यटि॥ नदिन
 मानन॥ सयात्रसा॥ संयमधवल॥ प्रथुमीद्यटिसदिनमाननयात्रसा
 संयमधवल॥ मधवल॥ स्त्रिपु^३र्द^३नयामेंसा॥ ३॥ पंर्गवल॥ तंकाडाभा
 या॥

दक्षिणनगश्रवसा, धननग, सूर्यशुक्रि मूर्द्धया दागुलिस्, याय, धसूर्य
 यागत विकला ॥ ॥ नादशुक्रि मूर्द्धया दाता ॥ नादशुक्रि धूयवाथयाता
 विकलायागया दाता ननगयाद्यटिन विकलासुगुधयाय, विकलानया
 ससुगुधयाय, धधधुनर्थं, विकलातामून, धिधूय ८० थनं दत्तासाद्य
 टि, धन उरुननगश्रवसा नादशुक्रि मूर्द्धया दागुलिस्, याय, दक्षिणन
 गश्रवसायाय, धनादयागत विकला ॥ ॥ समलिकादयंक ॥ धन

स ३

गरुलन, सूर्यदूटम, वलुदूटमथाय, नादयागंन, समलिकासिद्धि ॥
 ॥ लम्बन आय ॥ ननघटि विद्यटिनगंन, थंथसुगुध ८० विकलाकन
 धिगुध १० काथयाद्यटिनन २३ धिषष्ठी ८० गुध, विकलाननगनका
 धनर्थंथसुगुधकाय, लदद्यटि विद्यटि, लम्बनश्रवा, धलम्बनन, आदि
 ननकाताश्रवसाय, धनगलम्बन, धधधुलिथ उतिमूडा, नागवाल
 मायायनाल, क्तिनदडा, लम्बनरूगलम्बन, धरूगलम्बनन, आदिनग

स ३

० ३ १

वसुधाधवा
उसदी

1.683 ASHA ARCHIVES



सगंदाडा दूनेनगधाय ॥ ॥ समलिफासूर्ययावाणीसमुदा ३० श्री गनत
 नथूनमुदा ६० द्यटिनगंन विकला लूननगं थसूर्यदूधाय ॥ ॥ सु
 र्यदूधसमुदा २२ मावाणी द्यटिसमुदा ६० विकलानगन थिगन ३० ल
 द्यटिविद्यटिन सूर्यदूधद्विनयादागुलिसगंदाडा द्विनवि
 ॥ ॥ दूधनगया द्यटिविद्यटिसमुदा १२० विकलास वयन
 थन थनगाधाय ॥ ॥ थनगाधन द्विनविम उरुननगन

सयौय यौयमदगसा थन २१६०० गंदाडा यौयदकि दनगन नन
 थिगन २१६०० लयसुकि १ नगंदाडा उरुनदकि दधकंदियाडादिग
 सागकाया १६६६ सागसुन संका यौयाडा काइडा गुलिनित
 याय काथसुग १० लयद्यटिविद्यटिन थथयाडा सनधायदि
 गंथाय ॥ ॥ थनविताडाग १०० लयद्यटिसनन टटथ
 अधिक नूधायदिगसदिगन ॥ ॥ सनविताडागुदा ट अधिक

(विज्ञानमयमदगसा ३१
 ४३२०० सदि)

नूडनरागकाय नद्यद्यटिविद्यटि नूडरककाय ॥ दिगसहीतन ॥ ॥
मूकीसथ ३८२ ॥ १८ सर्वदां दिकिदिगि ॥ थ मूकीसडा नूडरकडाड
दिगइनसा नार्पमून उदिगम इनसा निद्यतं थथीय ॥ १८ थयादिगनदि
गम्वनतिनामइन ॥ ॥ दूटलम्वनसगुल८० राग ३ लद्यद्यटिविद्यटि
गुलफकाय ॥ ॥ थगुलफन दिगननेविम उरुननातइनसाथायद
दिकिदिगनतइनसातंन स्वनीगुकाय ॥ ॥ समलिकागाडू मध्वनद्विन

स्वर

यादाडा नानिमगुल३० मूसनतंन पूनगुल६० द्यटिनतंन विकलोलि
डानन थगमकाय ॥ ॥ थगमडा नौगुडा नापमूडाडा राग २१६०० ल
द्यसचिनतंनडा उरुनददिकिदिगकं दियाडा दिगन रागकाया ॥ १८
मलरागम हानस कायायाडा कदाकास्यं नितंन काथूसराग १० ल
द्यद्यटिविद्यटिन थंथगीसथायाडा द्वितीयसकाय दिगसहीतन ॥
॥ द्वितीयगत्रडा म्वनतिडा उदिगइनसा नार्पमून उदिगम

इतस्मानिदं यथोच्यते ॥ १७ ॥ अथ यदि गतदिने दिगं प्रक्षयः ॥ ॥ सूर्य
 युक्तिस्तु १७ ॥ सूर्यप्रमाणं प्रक्षयः ॥ ॥ वन्द्यादुक्तिवन्द्यप्रमाणं
 प्रक्षयः ॥ ॥ चन्द्रप्रमाणं सथोच्यते २४ ॥ १७ ॥ अथ गतप्रमाणं प्रक्षयः ॥ ॥ गतप्र
 माणा सूर्यप्रमाणं नाप्यंशुः सूर्यादां आभां प्रक्षयः ॥ ॥ या
 मर्द्धसंदिगं प्रमाणं यदतस्तथा सद् यथोच्यते मद्मसां सप्तमद् यथा १७
 प्रमाणं प्रमाणं प्रक्षयः ॥ ॥ अस्य प्रमाणं सूर्यप्रमाणं यथोच्यते तस्य स

सर्वश्रुत्याया एष विनर्द्धग्रसप्रमानधाय ॥ ॥ ग्रसप्रमानतर्गतं काथ
 सप्तग १२ वयं न थंथुस सर्वग्रसश्रुतसार्तं न खलुग्रसश्रुतसाथाय दू
 टग्रसप्रमानधाय ॥ ॥ दूटग्रसप्रमानसगुण १२ थि सूर्यप्रमान
 नराग ३ वयं ग्रसांगुल एष सगुण ८ राग ३ नं वयं यडा थग्रसां
 उलधाय ॥ ॥ दूटग्रसप्रमानतर्गतं थंथुसगुण ३ काथया दटि
 सार्तं न २३० काथ न थंथुसराग लव च टि विद्यटि हि एडधाय ॥ ॥

विमर्दस्त्रिषु सर्वप्रसक्तसामान्, विमर्दप्रसक्तसामान् तर्तुं यथ
सुखं ७ काथ्याद्यदिस्तीर्त २७० काथुतर्तुं यथसुखं, लघ्वद्यदिविद्य
दिविमर्दस्त्रिषु ध्यायेत् ॥ ॥ **बलाग्रप** ॥ वाक्क्रीतकामप्रया
ममात्रासीद्यदि सुदृढलक्ष्मिर्नयायाऽउपसम्भवला ॥ सम्भवला
सस्त्रिषु नयायाऽपम्भवला तीढाऽमाकवला ॥ ॥ वाक्क्रीतली
याश्रमायाश्चालं वनं तीर्तम्, सम्भवला ॥ ॥ सर्वप्रसक्तकाले, वि

मर्दस्त्रिषु न सम्भवलास्यायाऽ, निमीत्रल, तीढाऽउन्मीत्रलवला ॥
॥ **दिगसिय** ॥ दिगमुत्तरदिगश्च वायव्यपश्चिमी नमोऽहम् ॥
दक्षिणया दक्षिणायाम् ॥ ॥

(शुद्धद्यदितानि, हीनं सर्वार्थं गीतं, दिनां द्वयं विनाद्यद्यदिकास्ति संधिर्न ॥ सिद्धाकृतान् ॥

कृत्यवर्गनिधिपूर्वकं ग्रहहर्तृं क्षणिकवत्सर्ववत् यन्मात्रेण वत्सर्ववर्तुगयुगेयस्यथवात्राक
 योसिद्धिग्रहनेयगणलुङ्गनवैतिथ्यस्येतेष्वङ्गस्योच्चैर्वत्सर्ववत्तद्विनाशमिति स्थितिः ॥

संग्रहावला क्रय ॥ पूर्वमीघटिविघटिन दिनमान सखात्र सा संग्रम धावला ॥ मध्यावला
सक्तिगर्जनगंठावसंग्रयवला ॥ मध्यावला सक्तिगर्जनखायाडा संग्रमावला ॥ मध्याव
ला सक्तिगर्जनखायमयगसा ॥ कितईस मध्यावला नखायाडा संग्रमावला ॥ ३१ ॥



